भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1051

सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का सुधार

1051. श्री मुरारी लाल मीनाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान राज्य में पर्यटन स्थलों पर शौचालय, पेयजल, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार करने के लिए बजट का प्रावधान किया गया है ताकि देशी और विदेशी पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने थार मरूस्थल, अरावली पर्वत श्रृंखला और वन्य जीव अभयारण्यों जैसे पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों पर रोक लगाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कोई नीति लागू की है; और

(ग) यदि हां, तो तैयार की गई नीति का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ''स्वदेश दर्शन'', ''तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)'' और ''पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता'' नामक अपनी जारी योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को राजस्थान राज्य सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है। इन पहलों का उद्देश्य पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं के प्रावधान सहित अवसंरचना के विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए चिह्नित स्थलों/गंतव्यों का समग्र रूप से विकास करना है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत, मंत्रालय ने देश भर में 5287.90 करोड़ रुपये की राशि की कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें वन्यजीव परिपथ, मरूस्थल परिपथ,

जनजातीय परिपथ, इको परिपथ आदि जैसे विभिन्न विषयगत परिपथ के तहत परियोजनाएं शामिल हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से अब अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है। एसडी 2.0 के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने विकास के लिए दो गंतव्यों को चिह्नित किया है, अर्थात राजस्थान में बूंदी (केशोरायपाटन) और जोधपुर तथा बूंदी में 17.37 करोड़ रुपये की लागत की एक परियोजना को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटन मंत्रालय ने 'ट्रैवल फॉर लाइफ' नामक पहल शुरू की है। 'ट्रैवल फॉर लाइफ' कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को प्रकृति के साथ तालमेल बनाते हुए स्थायी कार्य-पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु उनके व्यवहार में व्यापक परिवर्तन लाना है।

मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत राजस्थान राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

******

अनुबंध

श्री मुरारी लाल मीना द्वारा पर्यटन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का सुधार के संबंध में दिनांक 02.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1051 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजना

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
1	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64

स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परिपथ/वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
2.	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ- चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी- चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05
4.	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ -राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) -झालावाड़ (गगरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी	70.61

		छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	

राजस्थान में 'अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	2014-15	अजमेर रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	5.52
2.	2014-15	जयपुर रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	4.88
3.	2019-20	चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	4.99
4.	2022-23	सीमा सुरक्षा बल चेक पोस्ट, तनोट परिसर में सीमा पर्यटन का विकास	17.67
5.	2023-24	नवलसागर झील, बूंदी में म्यूजिकल फाउंटेन और वॉटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना	9.25

राजस्थान में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1.	जयपुर में अंबर- नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र का विकास	49.31
2.	जयपुर में जल महल का विकास	96.61

******